

दिव्यदेवी f. N. pr. einer Göttin KĪLĀKĀRA 3,144.

1. दिम् 2) *gewähren*: प्रसरं शत्रवे Spr. (II) 5671.

दिश्य *dem Raume eigen*: लिङ्ग KAN. 2, 2, 10.

1. दिक् mit सम् letztes Beispiel, संदेकमानानां (= संदिक्मानानां Comm.)

ed. Bomb.

2. दिक् (= 1. दिक्) in सु०.

दीति vgl. 3. धीति weiter unten.

दीदिवि 4) सित० PANĒAR. 3,9,1.

दीप् mit अत्र in *Flammen gerathen*: अत्रदीप्यमानं ĀCV. ÇA. 3,10,9.

दीपखट्टा zu streichen; vgl. Spr. (II) 98.

दीपशिखा 2) सुÇA. 2,333,20.

दीपाङ्गुर (Nachträge), lies *die Flamme einer Lampe*; vgl. Spr. (II) 5714.

दीप्तसव n. *das Vorherrschen der heftigen Affecte* VĀMANA 3,2,14.

दीर्घकूर्च adj. *langbärtig* MBa. 7,4749.

दीर्घजिह्व 4) Z. 2 lies अत्रालेत्.

दीर्घरोषणा adj. = रोष Spr. (II) 1849.

दीर्घप्रक m. = प्रक सुÇA. 1,193,7.

3. ड = 1. दिव् spielen in der Form दविषाणि RV. 10,34,5; vgl. छु = छिव् weiter unten.

दुःखिता f. nom. abstr. von दुःखिन् *betrübt, niedergeschlagen* KATHĀS. 46, 4.

दुग्धपाषाण, lies *Kalkspath*.

दुन्दुनाम m. *ein best. über Waffen gesprochener Zauberspruch* R. ed. Bomb. 1,28,6.

दुमती f. N. pr. eines Flusses PAT. a. a. O. 4,69,b.

दुरपवाद m. *üble Nachrede* Spr. (II) 7051.

दुराचर 1) विद्या दुराचरी Spr. (II) 7065.

दुराशा, कीनज्ञाने *Verzweiflung an* Spr. (II) 1946. *eitle Hoffnungen* 2448.

दुरितात्मन् adj. *büsesinnig* Spr. (II) 1239.

दुरुत adj. *schlecht gewebt* PAT. a. a. O. 2,405,b.

दुरुपचार, गुरवः *schwer zu befrödigen* ebend. 1,282,b.

दुरुपदिष्ट adj. *schlecht unterwiesen* ebend. 2,351,b.

दुरुपदेश m. *eine schlechte Unterweisung* ebend.

दुरुपपाद (Nachträge) adj. (f. घा) ebend. 2,369,a.

दुगाक्त्वा Spr. (II) 1038, v. 1.

2. दुर्जाति, v. 1. दुर्जातः vgl. Spr. (II) 2253.

दुर्हरात्त adj. *sehr lang*: ष्य Spr. (II) 198.

दुर्धर 1) c) *schwer aufzuhalten* so v. a. *unwegänglich, nothwendig*:

ein Suffix VĀMANA 5,2,51.

दुर्धाव adj. *schwer zu reinigen*: सक्तु PAT. a. a. O. 1,8,b.

दुर्धी, शाकिन्या इव दुर्धियः *boshaft* HEM. JOGAÇ. 3,27.

दुर्नय und दुर्नीति PAT. a. a. O. 1,295,b.

दुर्वन्ध adj. *schwer zu verfassen*; davon nom. abstr. ष्व n. VĀMANA 1,3,22.

1. दुर्बुद्धि am Ende eines adj. comp.: कृठ० *thörichte Weise an* — glaubend Spr. (II) 2480.

दुर्भेद्य, खल Spr. (II) 4626.

1. दुर्मद *falscher Stolz* Spr. (II) 6093.

VII. Theil.

दुर्मदिन् adj. *Säufer, Trunkenbold* PAT. a. a. O. 2,367,a.

दुर्मन्मन् auch RV. 1,129,7.

दुर्लभ्य (Nachträge), zu RATHĀV. 56,13 vgl. Spr. (II) 4686.

दुर्लभता f. = दुर्लभत्व *Seltenheit* Spr. (II) 4935.

दुर्वासना, lies *eine falsche Vorstellung*.

दुर्वासम् 1) MBa. 12,11271 nach der Lesart der ed. Bomb.

दुर्विदग्ध Spr. (II) 7415.

2. दुर्वृत्त (Nachträge), an der letzten Stelle *sich schlecht betragend*; vgl. Spr. (II) 2880.

दुल्लि 2) PAT. a. a. O. 1,225,b. 226,a.

2. दुवस् Z. 3. 4 दुवसे wohl Infinitiv.

दुश्चरित *Thorheit*, pl. Spr. (II) 4587.

दुश्चारिन् Spr. (II) 7420.

दुश्चेष्टित, pl. Spr. (II) 7500.

दुःशासम्, so zu lesen st. शासु.

दुःशील, चित्ता Spr. (II) 3502.

1. दुष् mit प्र Jmd (gen.) *Schaden bringen*: यद्यस्य विक्रितं भोष्यं न तत्तस्य प्रदुष्यति Spr. (II) 5289.

दुष्कत m. HARIV. 1721 in der neueren Ausg. st. दुष्मत्त.

दुष्कार Z. 15 lies 10,255.

दुष्पु Z. 3 lies दुष्पु st. सुष्पु.

दुष्प्रयुक्त adj. *schlecht* —, *falsch angewandt*, — *gebraucht* VĀMANA 5,2,55.

दुःस्थित n. = दुःस्थिति und vielleicht nur fehlerhaft dafür KATHĀS. 40,108.

दुःस्मर adj. *dessen man sich ungern erinnert* UTTARAR. 116,12 (157,14).

1. दुक् mit सम् 2) Z. 2 lies प्रजाः st. प्रजां.

द्वयन (von 1. दु) n. *Gluth, Hitze im Körper* KĀRĀKA 1,17.

द्वर्य (von द्वर), ष्यति *fern sein* (abl.): द्वर्यत्पवनतेर्विष्वत्ति Cit. bei VĀMANA 5,2,79. — Vgl. द्वय्.

द्वरेकिति TS. 3,4,3,2.

द्वृता, जिनभाषितेषु Spr. (II) 4518.

द्वृप्रकारिन् m. N. pr. eines Mannes HEM. JOGAÇ. 1,12.

द्वृति 1) Z. 8 zu द्वृतेः पादात् vgl. द्वृतेश्चरणात् VARĀH. JOGAJĀTRĀ 1,4.

द्वृम् n. *Aug* BHĀS. P. 4,4,24.

द्वृष्टिदान n. *das Sichzeigen, Vorlassen einer Person*: ष्य० Spr. (II) 196.

देवक, देवका f. Hypokoristikon von देवदत्ता PAT. a. a. O. 7,115,b.

देवकर्म m. *Meister des heiligen Werkes* RV. 10,130,1.

देवकात्त m. *Magnet* KĪLĀKĀRA 5,203.

देवदत्तिका f. Hypokoristikon von देवदत्ता PAT. a. a. O. 7,115,b.

देवदिक्ष in der Umgangssprache = देवदत्त ebend. 1,28,b.

देवद्रोणा (Nachträge), ऽद्रोणाणी RĪGĀR. 5,141 (verwandt mit द्रोणापुष्पी).

1. देवद्रत n. Bez. verschiedener SĀMAN SĪMAVIDH. BA. 2,4,3,4.

देवद्रु als Bez. *des Scheermessers* oder *Scheerers* TS. 1,2,2,1.

देवावध 1) MBa. 1,222.

देव्य vgl. सु०.

देश m. = अदेश (?) *Gehörs* Spr. (II) 7005.

देशना vgl. वर्षा०.

देशाटन देश + अटन) n. *das Reisen* Spr. (II) 2960.